REFERENCE TO ALLEGED ARREST AND RELEASE ON BAIL OF SHRI RAM BILAS PASWAN, M.P., AND SHRI MOHAN RAM, TOURISM MINISTER, GOVERNMENT OF BIHAR

श्री भीष्म नारायण सिंह (बिहार) : मान्यवर, मै आपके माध्यम से एक अत्यन्त ही लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा और इस सम्बन्ध मे दो शब्द निवेदन करना चाहूंगा। सब से पहले तो जो समाचार पत्रों में इस आशय का समाचार छपा है कि बिहार सरकार के एक मंत्री और एक माननीय संसद सदस्य गिरफ्तार किये गये और फिर वे बेल पर छोड़े गये, उसके सम्बन्ध में जो समाचार पत्रों में छपा है उसको मैं उद्धृत करना चाहता हूं। आज के टाइम्स आफ इंडिया में भी यह समाचार छपा है। पहले स्टेटसमैन में जो समाचार 7वें पेज पर छपा है उसको मैं आपके सामने पढ़ कर सुनाता हूं :

"Samastipur, Nov. 27: The Tourism Minister of Bihar, Mr. Mohan Ram, a Janata Party M.P., Mr. Ram Bilas Pasvan, and a Janata MLA, Mrs. Premlata Rai, who were arrested yesterday for their alleged involvement in violent incidents during polling in the Samastipur Lok Sabha constituency, were released on bail today, according to the District Superintendent of Police, Mr. Ajit Dutt.

Three security guards of Mr. Mohan Ram were also arrested.

Both Mr. Ram and Mr. Paswan have been charged with rioting and attempt to murder."

"They were arrested in connexion with a violent incident at Salempur booth in the Sarairanjan Assembly segment in which the security guard of the Minister fired from his revolver injuring one person. The Sarairanjan police had registered a case against the Minister and Mr. Paswan."

यह एक अनहोनी घटना सी है। उपसभापति महोदय, इसलिए मैंने आपके माध्यम से सरकार और सदन दोनों का ध्यान इस ओर आकृष्ट किया। एक कहावत है कि जो रक्षक वही भक्षक। मिनिस्टर चाहे वह सेन्ट्रल गवर्नमेंट में हो या स्टेट गवर्नमेंट मे हो, वह कस्टोडियन होता है लाका। अगर मिनिस्टर ही ला-ब्रेक करे और अगर यह बात सही है तो फिर इस देश में कैसे शासन-व्यवस्था चल सकती है? खास करके यह मिनिस्टर का अरेस्ट होना तो एक अनसुनी सी घटना है। मिनिस्टर अरेस्ट हुए हैं, रिलीज हुए हैं इस तरह की बातें हो रही है, श्रीमन, सरकार का तो प्रजातंत्र की रक्षा करने का दावा है। मैं यह जानना चाहता हूं कि मंत्रीगण वहां पर कौन सा ऐसा काम कर रहे थे जिससे प्रजातन्त्र की रक्षा होती है। यह तो प्रजातंत्र नष्ट होने वाली बात है। अगर यह बात सही है तो प्रधान मंत्री जी ने उदाहरण पेश किया था. . . . .

(Interruptions)

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (उत्तर प्रदेश): पहले इसका पता तो लग जाये कि सही है या नहीं।

SHRI RAM LAKHAN PRASAD GUPTA (Bihar): It has been denied over the AIR.

श्री भीष्म नारायण सिंह : मैं तो भंडारी साहब समाचारपत्रों के आधार पर कह रहा हूं।

श्री प्रेम मनोहर (उत्तर प्रदेश) : यह तो उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली बात है. . . .

(Interruptions)

श्री भीष्म नारायण सिंह : उपसभापति महोदय, यही देख लीजिए। आपने मुझे अनुमति दी मैं सदन के नियमों के अनुसार प्रक्रिया के अनुसार कह रहा हूं। यहां पर ऐसे हो सकता है, यह सारे नियमों का इसी तरह से मखौल हो रहा है। मैं आप से कहना

चाहता हूं कि प्रधान मंत्री जी ने एक उदाहरण पेश किया कि राज नारायण जो शिमला में गए (*Interruptions*) शायद उन्होंने कानून तोड़ा था। शिमला के मुख्य मंत्री ने प्रधान मंत्री जी को पत्र लिखा। प्रधान मंत्री जी ने कहा कि यह कैसे हो सकता है कि कोई गवर्नमेंट में रहने वाला व्यक्ति कानून तोड़े। मैं तो जानना चाहता हूं कि यह अखबार कोई मेरा नहीं है। टाइम्स आफ इण्डिया है। मैं कोई रिपोर्टिंग नही करता हू। भण्डारी साहब यह बहुत ही गम्भीर विषय है। मैं यह कहना हूं कि अगर यह सही है तो बहुत गम्भीर विषय है। अगर आप डेमोक्रेसी में विश्वास रखते है, चुनाव होने हैं तो फिर अगर इस तरह का मिनिस्टर का कंडक्ट हो जाएगा, एम० पीज० का कंडक्ट हो जाएगा तो यह बहुत ही गम्भीर बात है। रामविलास एम० पी० के बारे में कहा गया, वह भी अखबारों की रिपोर्ट है। मैं इतना ही आग्रह कर रहा हूं कि मैं यह जानना चाहता हूं कि स्थिति क्या है। दो रिवाल्वर निकले। हमारी यूनियन गवर्नमेंट के केबिनेट मिनिस्टर जार्ज फर्नेंडीज साहब भी वहा थे जो स्वयं यह कहने का गौरव समझते है और सी० जी० के० रेड्डी ने लिखा है कि इनके डायनामाइट केस में 50 जगहों पर रेलवे सेबोटेज किया। इन बातों से श्रीमन्, हमारा सन्देह और भी ज्यादा हो जाता है। सन्देह होना स्वाभाविक है और हो रहा है। अपने सन्देह के लिए कह रहे हैं। भंडारी साहब आपको नही होगा, यह एक अलग बात है।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : यह घटना जो आप कहना चाहते है वही. . . (*Interruptions*)

श्री भीष्म नारायण सिंह भंडारी साहब, मंडल जी का मैं इसके लिए नही सुनूंगा। मंडल जी का वह इलाका है। मैं प्रधान मंत्री जी से इसके बारे में सुनना चाहता हूं कि स्थिति क्या है। यह बात सही है या नही और अगर इसका जायजा लेना हो तो मैं मांग करता हू कि आप इस घटना के बारे में तमाम जो इंसीडेंट्स हुए हैं इनके बारे में न्यायिक जांच बठायें। आप तो आयोग बैठाने में माहिर है ही और आपको एतराज भी नही होना चाहिए। इसीलिए मैं आपसे कहना चाहता है कि आप . . . . (*Interruptions*) लोग तो फेल रहे है। आप सब लोग अपरम्पार है क्योंकि ऐसी घटना तो दुनिया में कही नहीं हो सकती।

श्री राम लखन प्रसाद गुप्त : उपसभापति महोदय, मैं समस्तीपुर में था और यह जो घटना हुई है. . . . . (*Interruptions*)

श्री भीष्म नारायण सिंह : आप जब वहां थे तो मुझे बड़ी खुशी है। इसलिए मैं मांग कर रहा हूं कि सरकार इस बात की जांच कराए कि यह जो घटना समस्तीपुर में हुई है वह सही है या नहीं। इससे पहले जो एक्यूज्ड मिनिस्टर है, यह मैं इसलिए कर रहा हूं कि क्योंकि प्रधान मंत्री जी ने एक उदाहरण पेश किया था, कहीं ऐसा न हो कि केस हश-अप हो जाये। हमें इस बात की गारंटी दी जाए कि केस हश-अप नहीं होगा। समस्तीपुर में सरकारी तंत्र का दुरुपयोग हुआ है। उपसभापति महोदय मंडल साहब बिहार से आते हैं। माइनर इरीगेशन डिपार्टमेंट और बिहार में कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन की गाड़ियों का जोकि बिहार सरकार की एक अंडरटेकिंग है चुनाव में दुरुपयोग हुआ। सरकारी गाड़ियों के नम्बर आपके पास होंगे। आप सब मंगा कर बता दीजिए। सरकारी तंत्र का धनघोर दुरुपयोग हुआ है। इसलिए मैं डेमोक्रेसी की रक्षा करने वालों से कहूंगा कि वे इस घटना की जुडिशियल जांच करायें और उसके बाद हमें बताएं कि सही स्थिति क्या है।

श्री श्याम लाल यादव (उत्तर प्रदेश) : मान्यवर, एक बात मैं कहना चाहता हू। यह प्रश्न इतना गम्भीर है (*Interruptions*) इस तरह का उन्होंने षड्यंत्र किया है कि (*Interruptions*) लोगों के ऊपर

[श्री श्याम लाल यादव]

हमला किया गया। (*Interruptions*) गृह मंत्री लीपा-पोती कर रहे हैं (*Interruptions*) यह तो वहां कांग्रेसी को कर रहे थे (*Interruptions*)

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री धनिक लाल मंडल) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो बयान दिया है। (*Interruptions*)

श्री श्याम लाल यादव : आप बताइये जो हिंसा इन्होंने करायी, जिस तरह से कांग्रेस की गाड़ी को घुसने नहीं दिया (*Interruptions*) इस तरह से बिहार में हुआ (*Interruptions*)

श्री उपसभापति : आप कह चुके हैं।

श्री श्याम लाल यादव : आप ऐसा षडयंत्र करने जा रहे हैं, हिंसा पैदा करने जा रहे हैं।

श्री धनिक लाल मंडल : महोदय, मेरे पास जो सूचना है उसके आधार पर मैं बोल रहा हूं कि माननीय सदस्य ने गिरफ्तार मंत्री और एम० पी० की गिरफ्तारी के संबंध में जो जानकारी इस सदन को दी है वह न केवल असत्य है और निराधार है बल्कि तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश की गयी है इसलिए पेश की गयी है कि जब असत्य एक बार निकल पड़ता है तो सत्य को पकड़ना बहुत कठिन होता है। (*Interruptions*)

श्री उपसभापति : आप सुनिये तो सही (*Interruptions*)

श्री धनिक लाल मंडल : आप तो तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर रख रहे हैं और उसके पीछे यही आशय है कि असत्य एक बार चला जाये तो फिर सत्य इसका पीछा नहीं करता (*Interruptions*) अखबारों को भी ठीक से पढ़ लें, हम लोगों ने ठीक से पढ़ा है लेकिन हमको तो अखबारों की सूचना नहीं है, जो मेरे पास सूचना है उस सूचना के आधार पर मैं आपको बतला रहा हूं कि माननीय सदस्य ने एक मंत्री और संसद् सदस्य की गिरफ्तारी के संबंध में जो बयान दिया है वह सरासर असत्य है निराधार है लेकिन बाकी जो बात उन्होंने कही है। (*Interruptions*) आप सुन तो लीजिए, जरा धीरज रखियेगा। जो माननीय सदस्य ने बयान दिया है और उनमें जिन तथ्यों को आरोपित किया है वह भी तोड़ मरोड़ कर उन्होंने रखे हैं, वह सत्य से परे हैं। (*Interruptions*) हमने पढ़ा है और मैं उपसभापति जी आपको (*Interruptions*)

श्री श्याम लाल यादव : यह बतायें कि एफ० आई० आर० लिखी गयी या नहीं ?

श्री धनिक लाल मंडल : मैं पूरा बयान दूंगा फुल स्टेटमेंट दूंगा लेकिन अभी के लिए जो सूचना मुझको है, आप चाहते हैं तो मैं फुल स्टेटमेंट दूंगा लेकिन अभी इतनी बात जो माननीय सदस्य ने कही है वह बिल्कुल निराधार है, असत्य है उसका तथ्यों से कोई संबंध नहीं है और आपने जान बूझ कर यह आरोप लगाये हैं (*Interruptions*)

श्री उपसभापति : देखिए मंत्री महोदय ने स्वीकार किया है कि वे सारी जांच करके तथ्यों के बारे में एक वक्तव्य देंगे (*Interruptions*)

श्री श्याम लाल यादव : कब तक देंगे ?

श्री धनिकलाल मंडल : आज शाम तक देंगे या कल निश्चित देंगे। लेकिन गिरफ्तारी के संबंध में जो बात है उसको मैं टोटली डिनाई करता हूं उसका प्रबल प्रतिवाद करता हूं, ये बिल्कुल असत्य है निराधार है (*Interruptions*) यह सूचना मुझको है (*Interruptions*)

श्री एन० के० पी० साल्वे (महाराष्ट्र) : कहते हैं स्टेटमेंट बाद में दूंगा और डिनाई अभी कर दिया।

श्री उपसभापति : माननीय सदस्य ने जो बात उठायी जो भी जानकारी मंत्री महोदय के पास है उन्होंने दे दी है और कहा है कि और ज्यादा जानकारी करके पूरा वक्तव्य देंगे। यही मंत्री महोदय ने (*Interruptions*)

एक माननीय सदस्य : जानकारी पर्याप्त नहीं है (*Interruptions*) वे खुद मंजूर कर रहे हैं।

श्री उपसभापति : जो मालूम है वह उन्होंने बता दी है . . . .

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) : जिस माननीय सदस्य ने यह मुद्दा उठाया था. उस मुद्दे में उन्होंने गिरफ्तारी का उल्लेख किया तथा उसके साथ-साथ और भी कुछ बातों का उल्लेख किया। मंत्री जी ने उसका उत्तर देते हुए कहा कि जहां तक गिरफ्तारी की बात है यह निराधार है तथ्यों पर आधारित नहीं है, बाकी जो बातें कही गयी है (*(Interruptions)*) उसके बारे में उन्होंने कहा कि मैं पूरी जानकारी इकट्ठा करके दूंगा। जहां तक गिरफ्तारी का सवाल है उन्हो कहा कि उनके पास सूचना है कि यह आधारहीन तथ्य है, यह गलत रिपोर्ट छपी है उसका उन्होंने प्रतिवाद किया है बाकी विषयों के बारे में उन्होंने कहा कि जानकारी प्राप्त कर के दूंगा।

श्री भीष्म नारायण सिंह माननीय मंडल जी की बात करते हैं (*Interruptions*) इसलिए मैं कर रहा था (*Interruptions*) हमारा चार्ज है हमको पता लगा है कि सारे केस जो हश अप करने की कोशिश हो रही है और यही कारण है कि इस तरह का मंत्री जी का ध्यान आ रहा है (*Interruptions*)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Next Item: message from Lok Sabha.

SHRI N. K. P. SALVE: Sir, I have a point for submission. Today I had given notice for mention of a matter. Yesterday, peaceful demonstration took place in . . .

MR. DEPUTY CHAIRMAN: There is no point of submission. This is very wrong.

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : श्रीमन माननीय सदस्य बिना परमिशन कैसे बोल रहे हैं।

श्री श्याम लाल यादव : भंडारी साहब बैठिये।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : हम कैसे बैठे। पहले अपने साथी को बिठाइये।

SHRI N. K. P. SALVE: Sir, I am not on law and order ...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: On whatever it is. Please sit down. You have not been permitted.

SHRI N. K. P. SALVE: What is the basis for the rejection? I should like your indulgence...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is very wrong. Such a point should not be raised like this ... (*Interruptions*) No, no, this is wrong.

SHRI N. K. P. SALVE: But what is the criterion?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: There is a criterion which cannot be explained here. Please do not take the time of the House... (*Interruptions*) This is not proper, Mr. Salve.

SHRI N. K. P. SALVE: Sir, the people are being denied their right...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing will go on record.

Shri N. K. P. Salve continued to speak.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Order please. Next item. Secretary-General.

MESSAGE FROM THE LOK SABHA

The Employment of Children (Amendment) Bill, 1978

SECRETARY-GENERAL: Sir, I have to report to the House the following message received from the Lok Sabha signed by the Secretary of the Lok Sabha:

"In accordance with the provisions of Rule 128 of the Rules of Procedure and Conduct of Business.